भारत – सूरीनाम संबंध

राजनीतिक

सूरीनाम के साथ भारत के संबंध मधुर एवं मैत्रीपूर्ण हैं जो 142 साल पहले भारतीय डायसपोरा के यहां पहुंचने से सुदृढ़ सांस्कृतिक एवं जन दर जन संपर्क से मजबूत हुए हैं। पूर्वी उत्तर प्रदेश और बिहार से भारतीय मूल के 2,30,000 से अधिक व्यक्ति तथा सूरीनाम में रहने वाले कोई 50 सिंधी परिवार सूरीनाम की अर्थव्यवस्था, सिविल सेवा, टेक्नोक्रैट एवं संयुक्त सांस्कृतिक परिवेश में महत्वपूर्ण रूप से योगदान दे रहे हैं।

मंत्री स्तर पर अनेक उच्च स्तरीय दौरों का आदान - प्रदान हुआ है। तत्कालीन विदेश मंत्री श्री विंसटन लैक्किन और तत्कालीन शिक्षा मंत्री श्री अश्विन अधीन तथा सूरीनाम गणराज्य के वर्तमान उप राष्ट्रपति अश्विन अधीन एवं विदेश मंत्रालय एवं कृषि मंत्रालय के विशेषज्ञों से युक्त एक उच्च स्तरीय शिष्टमंडल ने संयुक्त आयोग की 5वीं बैठक के सिलसिले में 12 से 15 जनवरी के दौरान भारत का दौरा किया। अपनी पत्नी के साथ श्री अश्विन अधीन ने विश्व हिंदू कांग्रेस में भाग लेने के लिए 13 से 25 नवंबर 2014 के दौरान भी भारत की निजी यात्रा की थी। दौरे के दौरान उन्होंने राज्य मंत्री (वी के) से शिष्टाचार मुलाकात की और व्यापक द्विपक्षीय मुद्दों पर चर्चा की थी।

संयुक्त आयोग / लाइन्स ऑफ क्रेडिट

भारत ने सूरीनाम को जल पम्पों, विद्युत पारेषण लाइनों, 3 चेतक हेलिकॉप्टरों, क्रैश फायर टेंडरों और कोस्टल उपकरणों की स्थापना के लिए 57 मिलियन अमरीकी डॉलर मूल्य की चार ऋण सहायता प्रदान की है। 13.5 मिलियन अमरीकी डॉलर मूल्य के एच ए एल द्वारा निर्मित 3 चेतक हेलिकॉप्टर मार्च 2015 में सूरीनाम के रक्षा मंत्रालय को सौंपे गए। सूरीनाम और परियोजनाओं के कार्यान्वयन के लिए भारत से और रियायती ऋण प्राप्त करने का इच्छुक है। संयुक्त आयोग की 5वीं बैठक के दौरान भारत ने सूरीनाम को और ऋण सहायता के रूप में 50 मिलियन अमरीकी डॉलर की घोषणा की। 50 मिलियन अमरीकी डॉलर की अतिरिक्त ऋण सहायता के तहत प्रस्ताव को अभी प्रासेस किया जा रहा है।

लैटिन अमेरिका एवं कैरेबियन क्षेत्र को सहायता अनुदान के तहत पैरामरिबो में लैंड हास्पिटल मोर्ग के उन्नयन के लिए 3,11,567.21 अमरीकी डॉलर का अनुदान तथा सूरीनाम के प्राकृतिक संसाधन एवं इंजीनियरिंग अध्ययन संस्थान (एन ए टी आई एन) को सहायता के रूप में 1,69,400 अमरीकी डॉलर की राशि संस्वीकृत की गई। दोनों अनुदानों का पूरी तरह उपयोग किया गया है।

फार्मा क्षेत्र में भावी सहयोग की संभावनाओं का पता लगाने के लिए श्री सुधांश पंत, संयुक्त सचिव के नेतृत्व में औषध विभाग, रसायन एवं उर्वरक मंत्रालय से एक चार सदस्यीय फार्मास्यूटिकल शिष्टमंडल ने 07 से 10 अप्रैल, 2015 के दौरान सूरीनाम का दौरा किया।

अर्थव्यवस्था

भारत और सूरीनाम के बीच व्यापारिक एवं आर्थिक संबंध मामूली हैं। सूरीनाम को किए जाने वाले निर्यातों में बॉयलर, मशीनरी, लौह एवं इस्पात, बिजली की मशीनरी और उपकरण, साउण्ड रिकॉर्डर, औषधीय उत्पाद, वस्त्र, वाहन, कॉफी, चाय और मसाले, रबर, पेपर, तम्बाकू, कार्बनिक रसायन, फर्नीचर, कारपेट, सेरेमिक उत्पाद, फुटवीयर और मुद्रित पुस्तकें शामिल हैं; तथा भारतीय आयातों में लकड़ी, एल्यूमिनियम और विद्युत मशीनरी शामिल हैं।

भारत को निर्यात

2011 – 2012	4.40 मियिलन अमरीकी डालर
2012 – 2013	13.40 मियिलन अमरीकी डालर (वृद्धि +19.98 प्रतिशत) 204.66]

2013 – 2014 13.15 मियिलन अमरीकी डालर (वृद्धि +19.98 प्रतिशत) -1.91]
2014 – -2015 210.87 मियिलन अमरीकी डालर
2015 – -16 33.17 मियिलन अमरीकी डालर
(सितंबर, 2015 तक)
(स्रोत *:* वाणिज्य विभाग, भारत सरकार)

भारत से आयात

2011 – 2012 10.43 मियिलन अमरीकी डालर
2012 – 2013 30.34 मियिलन अमरीकी डालर (वृद्धि +19.98 प्रतिशत) 190.86]
2013 – 2014 24.18 मियिलन अमरीकी डालर (वृद्धि +19.98 प्रतिशत) -20.30]
2014 – -2015 17.62 मियिलन अमरीकी डालर
2015 – -16 8.14 मियिलन अमरीकी डालर
(सितंबर, 2015 तक)

(स्रोत *:* वाणिज्य विभाग, भारत सरकार)

सूरीनाम बॉक्साइट, चावल, आयरन स्क्रैप, लकड़ी, पेट्रोलियम उत्पाद और सोना निर्यात करता है। यह देश सोने और तेल के निर्यातों पर लगातार अधिक आश्रित होता जा रहा है। स्टाटसोली, जो एक सार्वजनिक क्षेत्र का उपक्रम है और एक लाभ कमाने वाली कंपनी है, तेल क्षेत्रों का पता लगाने और पेट्रोलियम उत्पादों का निर्यात करने के काम में लगी हुई है। अन्य आर्थिक क्षेत्रों में आउटसोर्सिंग उद्योग एवं पारिस्थितिकी-अनुकूल पर्यटन शामिल हैं।

सूरीनाम के व्यवसायियों ने कृषि क्षेत्र और खाद्य प्रसंस्करण उद्योग में द्विपक्षीय सहयोग करने में रुचि दर्शाई है। कृषि क्षेत्र में सहयोग के लिए वर्ष 2003 में हस्ताक्षरित समझौता ज्ञापन की अनुवर्ती कार्रवाई के रूप में, दोनों पक्षों के संयुक्त कार्य समूह विशेषज्ञों की प्रथम बैठक 28 जुलाई 2014 को नई दिल्ली में हुई थी। एक संयुक्त व्यावसायिक परिषद की स्थापना के लिए फिक्की और सूरीनाम के चैम्बर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री के बीच वर्ष 2003 में एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए थे।

एक 15 सदस्यीय भारतीय कारोबारी शिष्टमडल ने 25 अप्रैल से 05 मई तक सूरीनाम का दौरा किया। शिष्टमंडल ने सूरीनाम चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री के साथ बैठकें की। शिष्टमंडल में स्वास्थ्य देखरेख, इमारती लकड़ी, गोल्ड, म्यूजिक, ग्लास, अवसंरचना, बॉक्साइट, व्यापार और वाणिज्यिक उद्योगों के क्षेत्रों के उद्यमी शामिल थे।

सूरीनाम चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री के अध्यक्ष श्री हेंक नरीनड्रॉप के नेतृत्व में दो सदस्यीय शिष्टमंडल ने दोनों देशों के बीच घनिष्ट आर्थिक एवं वाणिज्यिक संबंधों का विकास करने के लिए अक्टूबर 2015 में छठवीं सी आई आई भारत - एल ए सी गोष्ठी में भाग लिया।

आई टी ई सी

वर्ष 2015-16 के दौरान आईटीईसी कार्यक्रम के अंतर्गत, सूरीनाम को 20 स्लॉटों का आवंटन किया गया है। ग्रामीण विकास, बैंकिंग, आईसीटी, जन संचार माध्यम आदि में प्रशिक्षण कार्यक्रमों में पर्याप्त रुचि है।

संस्कृति एवं शिक्षा

सूरीनाम में भारतीय सांस्कृतिक केंद्र 1978 में खोला गया तथा यह कथक, योग एवं शास्त्रीय संगीत पर बल के साथ हिंदी भाषा, लोक नृत्य का सक्रियता से प्रचार - प्रसार कर रहा है। भारत ने पूरे सूरीनाम में हिंदुस्तानी समुदाय द्वारा चलाए जा रहे 80 स्वैच्छिक हिंदी स्कूलों को मदद देने के लिए सूरीनाम में हिंदी के प्रचार - प्रसार के लिए 2015 में 29,500 अमरीकी डॉलर मूल्य का अनुदान प्रदान किया। इस समय सूरीनाम के दो

छात्र आगरा में केंद्रीय हिंदी संस्थान में हिंदी सीख रहे हैं। सूरीनाम के प्रतिष्ठित हिंदी विद्वान श्री सोरेदजन परोही को सितंबर 2015 में भोपाल में विश्व हिंदी सम्मान प्रदान किया गया। सूरीनाम के छात्रों ने आई सी सी आर की विभिन्न छात्रवृत्ति स्कीमों में भी रूचि दिखाई है तथा इस समय दो छात्र आयुष छात्रवृत्ति के तहत भारत में बी ए एम एस पाठ्यक्रम की पढ़ाई कर रहे हैं।

कांसुलर मुद्दे

चूंकि कुल 5,73,311 की आबादी में से 37 प्रतिश आबादी भारतीय मूल की है, ओ सी आई कार्डों के लिए प्रतिवर्ष मांग 400 के आसपास है। सूरीनाम के लिए इलेक्ट्रानिक ट्रैवल प्राधिकार प्रणाली (ई टी वी ए) लागू की गई है जिससे वीजा के लिए आवेदनों की औसत संख्या घटकर प्रतिवर्ष 30 हो गई है।

उपयोगी संसाधन :

भारतीय दूतावास, पैरामारिबो की वेबसाइट :
http://indembassysuriname.com
भारतीय दूतावास, पैरामारिबो का फेसबुक पेज :
https://www.facebook.com/IndiaInSuriname?fref=ts
भारतीय दूतावास, पैरामारिबो ट्विटर लिंक :
@IndEmbSur

*****

जनवरी, 2016